

पेड़ों को काटना किसी इंसाज की हत्या से भी बड़ा अपराध: सुप्रीम कोर्ट

■ पेड़ों की कटाई पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी सरकार के लिए 'आखिरी खोली' : पर्यावरणविद

■ विरोध गतिविधियों पर लगाम लगाई जानी चाहिए

नई दिल्ली (ए.ए.) उच्चतम न्यायालय की यह टिप्पणी कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसाज की हत्या से भी बड़ा अपराध है, वन संरक्षण कानूनों को लगातार कमजोर करने वाली केंद्र सरकार और विकास के नाम पर हरित क्षेत्र पर निम्न सोच-समझे आगे चलाने वाली राज सरकारों के लिए आखिरी खोली वाली नीजी चाँहू। पर्यावरणविदों ने बुधवार को यह राय जताई की। न्यायाभिन अल्प एक ओका और न्यायमूर्ति उच्चतम न्यायालय की पीठ ने यह टिप्पणी उस व्यक्ति की चाँहूकार को खारिज करने हुए की थी, जिसने संविधान 'लाज ट्रेनिजम जोन' में 454 पेड़ काट डाले थे।

वन संरक्षण कानूनों को लगातार कमजोर कर रही पीठ ने कहा, पर्यावरण के मामले में कोई दया नहीं बरती जानी चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसाज की हत्या से भी जघन्य है। पर्यावरणविदों ने वन एवं वृक्ष संरक्षण पर शीर्ष अदालत के कड़े रुख का स्वागत किया, लेकिन सवाल उठाया कि क्या सरकारें इसे गंभीरता से लेंगी। "साथ ही न्याय नैतिक और नैतिक, रिस्क एंड पीछे" (सस्पेंडिड आर्रर) के भीम सिंह रावत ने कहा, यह केंद्र सरकार के लिए आखिरी खोली वाली टिप्पणी है, जो वन संरक्षण कानूनों को लगातार कमजोर कर रही है।

जोखिम, संवेदनशीलता और मृत्यु दर में वृद्धि

उन्होंने कहा कि भूगर्भीय विज्ञान से नाजुक और जलवायु की दृष्टि से संवेदनशील हिमालयी राज्यों में स्थिति खराबतर पर चिंतनजनक है। रावत ने कहा, पनबिजली संयंत्र, बांध, सड़क, सुरंग और रेलवे जैसी बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर लगातार जोर दिए जाने से हड़गों हेक्टर पर क्षेत्र में फैले वनों का नुकसान हुआ है। इससे क्षेत्र में आपदा के जोखिम, संवेदनशीलता और मृत्यु दर में वृद्धि हुई है।

वनों की रक्षा करने में नाकाम

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को लोकसभा को बताया था कि भारत ने 2014-15 से लेकर अगस्त 10 वर्षों तक अवधि में विकास गतिविधियों के लिए 1,734 वर्ग किलोमीटर वन भूमि का इस्तेमाल किया है, जो दिल्ली के कुल भूगोलीय क्षेत्र से काफ़ी अधिक है। रावत ने उत्तराखंड में बार धाम बारहमासी सड़क परियोजना का उदाहरण देते हुए दावा किया कि न्यायालयिका वनों की रक्षा करने में नाकाम रही है।



विकास गतिविधियों पर लगाम लगाई जानी चाहिए

उन्होंने कहा, पहाड़ों और वन क्षेत्र में रहने वाले जनजातों अपनी आजीविका के लिए पेड़ों पर निर्भर है। यह कानून कि पेड़ों को बिच्छूवून नहीं काटा जा सकता, सही नहीं है, क्योंकि इससे इन स्वस्थ और परंपरिक वन समुदायों को नुकसान होगा। सिंह ने बड़े पैमाने पर वनों को कटाई के लिए आधुनिक विकास नीतियों

पूरे देश में वनों की कटाई की जा रही

"पीपुल फोर अरावली" की संस्थापक सदस्य नीलम अहलुवालिया ने कहा कि भारत जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है और उसे अत्यधिक गर्मी से लेकर हिमनद झीलों के पघने से आने वाली बाढ़ तक का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, हमारे जंगल और प्राकृतिक पर्यावरण की तंत्र ही हमारा एकाग्र सुरुखा कवच है, फिर भी हम तथाकथित विकास परियोजनाओं के नाम पर उन्हें काट रहे हैं। (टेर) निकोबार से लेकर हसदेव (ओडिशा) तक, पूर्वोत्तर से लेकर अरावली तक, पूरे देश में वनों की कटाई की जा रही है। अहलुवालिया ने कहा कि अरावली में अवैध वृक्ष अंतर्विषय जल स्रोतों को तबाह कर दिया है। हालांकि, हिमालयन पॉलिस्सि कैपेन के समन्वयक गुमान सिंह ने पेड़ों को कटाई को लेकर शीर्ष अदालत की तल्लख टिप्पणी से असंतुष्ट जताते हुए इसे अतिरिक्त दृष्टिकोण बनाया।

को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, सड़क, चोड़करण, बाड़े बांध, शहरीकरण और निम्न वन और बाड़े पेड़ नष्ट किए जा रहे हैं। इन तथाकथित विकास गतिविधियों पर लगाम लगाई जानी चाहिए।

जेलेस्की ने रूसियों के प्रति नफरत को प्रेरणास्रोत बताया

मामको (खाना)। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेस्की ने कहा है कि रूसियों के प्रति नफरत उन्हें संघर्ष के दौरान प्रेरित करती है। वह बयान, जेलेस्की के उस संदर्भ में अगवा है जब उन्होंने संघर्ष के दौरान अपनी प्रेरणा के स्रोतों के बारे में बात की।

कोरिया के जंगल में लगी आग में मृतकों की संख्या बढ़कर 26

सोन (खाना)। दक्षिण कोरिया के दक्षिण-पूर्व क्षेत्र के जंगल में लगी गीला आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई और अन्य 30 जलस गए हैं। आंतरिक एवं सुरुखा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। एक एजेंसी ने दक्षिण कोरिया के आंतरिक एवं सुरुखा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि जंगल में फिखले सहाल लगी आग से 24 लोगों की मौत की सूचना दी थी। जो बढ़कर अब 26 हो गयी है।

फूड प्लाजमिंग से सरकारी पुनर्वासि केंद्र के चार बच्चों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राधधानी लखनऊ के एक सरकारी आश्रय केंद्र में फूड प्लाजमिंग की वजह से चार बच्चों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चियां शामिल हैं। मरने वाले बच्चों की उम्र 12 से 17 साल के बीच है। इन बच्चों की मौत अलग-अलग अस्पतालों में हुई। करीब 20 बच्चों को अभी भी अस्पतालों में रखा गया है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बच्चों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रशासन ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है।

खबरों के मुताबिक मंगलवार शाम मानसिक रूप से कमजोर 20 बच्चों को लोकभेष उपाहार लगाया गया। ये बच्चे अनामक बीमार पड़ गए थे। लखनऊ के गौशाला और दुर्गम वाले भवन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने अखिलेश पर फलटवार करते हुए उन्हें सनतान विरोधी करार दिया है। भाजपा सांसद विजयानंद ने कहा कि गाय हमारी माता है और गोबर उसी की पवित्र। ऐसे लेकर ऐसी आचार्यजनक बातें करना उचित नहीं है। वहीं, भाजपा से राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने भी कहा कि अखिलेश को गौशाला में सनतान की आस्था को तोड़ना नहीं चाहिए। भाजपा सांसद संवित राज ने अखिलेश के बयान पर कहा,

बीजेपी नेता की हत्या के विरोध में रांची में चक्का जाम

रांची (नवप्रदेश)। झाड़खंड की राजधानी रांची में बीजेपी नेता अनिल टागोर की हत्या के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आज, 27 मार्च 2025 को रांची में चक्का जाम लगाया है। इस बरत के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं नेमन सोन सनत के खिलाफ प्रदर्शन भी कर रहे हैं, बुधवार, 26 मार्च को रांची के काले चौक के पास बाइक सवार बंदकों ने अनिल टागोर की गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्याकांड ने उन पर तबखुदगु गोलियों चलाई हैं और मौके से चला हो गए। गोली चलने के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत रांची के रिम अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अग्रगण्य के पुलिस महांनिष्ठक (डीसीपी) अग्रगण्य गुप्त ने कहा, "हत्या दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं अनिल टागोर को व्यक्तिगत रूप से जानता था और मैं आधासन देता हूँ कि हर कोई ज़िद ही फकड़े जाली।" झाड़खंड मुक्ति मोर्चा (झामुम) नील गठबंधन शासित राज्य में कानून-न्यायस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री टेमन सोन के हस्तौकी की मांग की। मरांडी ने मुलक के परिवार से मिलने के लिए रिम अस्पताल का दौरा किया, जहां अनिल टागोर को ले जाया गया था।

एशिया की सबसे लंबी सुरंग का काम 70 फीसदी पूरा

नई दिल्ली। श्रीनगर को लाहौर से जोड़ने वाली एशिया की सबसे लंबी जीओला सुरंग का काम लगभग 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस सुरंग के बन जाने के बाद पूरा सात गंभी श्रीनगर से लाहौर जा सकेगा। इससे साथ ही इसके रास्ते साजख को भी इस्तेमाल से पहुंचाया जा सकेगा। अहमसल जहाँ में बंभारी की वजह से हादसे बंद हो जाते हैं। इसी वजह से लाहौर क्षेत्र कमजोर से बंद जाता है।

मुझे बोलने नहीं दिया जाता-राहुल गांधी राहुल गांधी के बयान पर सियासी संग्राम, स्पीकर बिरला से मिले विपक्षी सांसद



राहुल गांधी ने कहा था- मुझे बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा

नई दिल्ली। 'मैं जब भी सदन में खड़ा होता हूँ, मुझे बोलने नहीं दिया जाता' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस बयान पर विपक्षी सांसदों ने कहा है। भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी के आरोपों का खंडन किया है। दूसरी ओर गुजरात के इस मामले पर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राजद और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने बुधवार को सदन में बिरला द्वारा राहुल गांधी के संदर्भ में की गई टिप्पणी की पुष्टि की। उनसे मुलाकात की और उन्हें एक पत्र भी सौंपा।

ओम बिरला से मिले विपक्षी गठबंधन के सांसद

दरअसल विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इम्यूनिशियल आलायंस' के घटक दलों के नेताओं ने गुजरात को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को 'बोलने का मौका नहीं मिलने' को लेकर अपनी 'सामूहिक चिंता' से उन्हें असंत कराय।

लोकसभा अध्यक्ष ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से कहा था कि वह नियमों और सदन की मर्याद के अनुरूप आचरण करें। इसके बाद राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सदन को अलोकतांत्रिक तरीके से चलाया जा रहा है और उन्हें बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा। ओम बिरला ने शुक्रवार के बाद कहा था, 'कई विचार-व्यो, माना-वैदी और प्रति-पक्षी इस सदन के सदस्य रहे हैं और इसी परिप्रेक्ष्य में नेता प्रतिपक्ष से अपेक्षा की जाती है कि वह सदन के नियमों और परंपराओं के अनुरूप आचरण करेंगे।'

राज्यसभा में एक विधेयक पर जबकि के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के कांसि संसदीय दल की अध्यक्ष सौनिया गांधी पर कथित रूप से आरोप लगाने को लेकर राज्यसभा में कांसि के मुख्य सचेतक जयराज रोश ने बुधवार को शाह के खिलाफ विरोधीभाषक इनन का नोटिस दिया। हालांकि राज्यसभा के सभापति ने जयराज रोश के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सभापति धनखड़ ने कहा कि शाह ने 25 मार्च को राज्यसभा में आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर हुई बहस का जवाब देते हुए कुछ टिप्पणियाँ करने के बाद अपने बयान को प्रमाणित करने पर सक्षमि व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि मंत्री ने 24 जनवरी, 1948 को भारत सरकार के प्रेस सूचना व्यूरो द्वारा जारी एक प्रेस बयान का हवाला दिया, जिसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने पीएमएनआरएफयूक करने की घोषणा की थी। इसका प्रबंधन प्रधानमंत्री, भारतीय राष्ट्रीय कांसि के अध्यक्ष और कुछ अन्य लोगों की एक समिति द्वारा किया जाना था। धनखड़ ने विरोधीभाषक इनन नोटिस को खारिज करते हुए कहा कि मंत्री इसे धननुसंधा पड़ा है। मुझे लगता है कि इसमें कोई खंडन नहीं हुआ है। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को सौपी नोटिस में रोश ने कहा था कि 25 मार्च को शाह ने आपदा प्रबंधन विधेयक, 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए अन्य बतों के अलावा प्रधानमंत्री राहा को के संदर्भ में जो दावा किया था वो अपमानजनक है।

अखिलेश के दुर्गम और गौशाला वाले बयान पर बवाल

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के गौशाला और दुर्गम वाले बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा ने अखिलेश पर फलटवार करते हुए उन्हें सनतान विरोधी करार दिया है। भाजपा सांसद विजयानंद ने कहा कि गाय हमारी माता है और गोबर उसी की पवित्र। ऐसे लेकर ऐसी आचार्यजनक बातें करना उचित नहीं है। वहीं, भाजपा से राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने भी कहा कि अखिलेश को गौशाला में सनतान की आस्था को तोड़ना नहीं चाहिए। भाजपा सांसद संवित राज ने अखिलेश के बयान पर कहा,

अमेरिका के साथ टैरिफ पर बन सकती है बात : जयशंकर

■ हाल डेविसन-विरकी पर कम हो सकता है कर : जयशंकर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परामर्शक टैरिफ कोषागार के लगू होने से पहले भारत और अमेरिका में कर बढ़ें पर बात बनने की उम्मीद बढ़ गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका सरकार पर बहुत ही सक्रिय और गहन चर्चा कर रहे हैं। भारत अमेरिकी बाइक कैंड डेवलपन, बॉर्नन विक्री की और कैपेकैपेन वहां पर आयात शुल्क में कटौती कर सकते हैं। टैरिफ समेत अन्य व्यापार मुद्दों पर चर्चा करने के लिए

चुनावी रणनीति

भाजपा सांसद संजय जायसवाल के घर पर हुई एनडीए की बैठक

चुनाव से पहले दिल्ली में हुई बिहार एनडीए की बड़ी बैठक, सीट बंटवारे पर बनी बात

बैठक में बीजेपी अध्यक्ष जेपी नन्दा हुए शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली में बिहार के एनडीए सांसदों की बैठक हुई। ये अहम बैठक भाजपा के अध्यक्ष जेपी नन्दा भी शामिल हुए थे। वहीं गिरिराज सिंह, शशिप्रसाद, ललन सिंह और जीवन यादव भी मौके बिहार एनडीए के माधो साही समेत बिहार एनडीए के सांसदों की बैठक में शामिल हुए। बैठक में जेपी नन्दा ने एनडीए नेताओं से कहा कि हम सब मिलकर चुनाव लड़ेंगे और जीयेंगे।



बैठक में इस मुद्दे पर हुई बात भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में विपक्षी परिस्थितियों के बावजूद भी अग्रणी परमाणु निष्कर्ष। 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद फिर



एनडीए की सरकार बने, इसके लिए अग्रणी सांसद नीलेश कुमार की मुलाकात में मिलकर काम करना होगा। पीएम मोदी का भावपूर्ण का दौरा यह राहा का पहला बिहार दौरा होगा। ये एवरपैरेट से सीधे भारतीय जनता

बिहार चुनाव से पहले अहम बैठक

चुनाव को देखते हुए इसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। एनडीए नेताओं की यह बैठक गुमरीन अमित शाह के बिहार दौर से पहले हुई है। गृह मंत्री शाह 29 मार्च को बिहार जाएंगे। संजय जायसवाल के आवास पर एनडीए नेताओं की यह बैठक 26 तारीख को शाम सात बजे बुलाई गई। बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नन्दा, बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री, एनडीए के सभी सांसद, बिहार से आने वाले सभी विधायी मंत्री शामिल हुए।

उद्भव ने सरकार के रवैये पर उठाए सवाल



कुणाल कामरा को नोटिस और राहुल सोलापुरकर पर चुपची

मुंबई। शिवसेना के मुखिया उद्भव ठाकरे ने स्टैंडअप कॉमेडियन को लेकर मंच बवाल के बीच सरकार के रवैये पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'सरकार ने "हड़दों" का अपमान करने के लिए कुणाल कामरा को तल्लख किया, लेकिन शिवजी महाराज का अपमान करने वाले अभिनेता राहुल सोलापुरकर पर चुपची स्या ली।' राज्य विधानमंडल के बजट सदन के सभा होने के एक दिन बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने मुद्रिस पत्रकारों के लिए भाषण के आठट्टीच कार्यक्रम 'सोलात-ए-मोदों' को भी निराशे पर लिया। उद्भव ने कहा, 'अप एक देशवादी का अपमान करने के लिए कुणाल कामरा को दो बार तल्लख करवा है, लेकिन राहुल सोलापुरकर को एक बार भी नहीं बुलाया।' कुणाल कामरा ने पेशेबी गाने में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एमकाश शिंदे को निशाना बनाया था।

राज्या सांगा वाले बयान पर कायम सपा सांसद रामजी लाल सुमन

राज्या सांगा वाले बयान पर कायम सपा सांसद रामजी लाल सुमन

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के राणा सांगा पर दिए गए बयान के बाद बुधवार को उनके घर पर हमला किया गया था और जमकर तोड़फोड़ की गई थी। इसके बाद गुजरात को उन्होंने कहा, 'मैंने कुछ गलत नहीं किया है, माफी नहीं मांगूंगा।' रामजी लाल सुमन ने घटना को अंजाम दिया गया था। ये घटना उस वकत हुई जब शाह ने मुख्यमंत्री मौजूद थे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शनकारियों लाठी चार्ज तक लेकर आए उसके बाद उन्हें तल्लख नहीं गया। अगर रामजी लाल सुमन दलित न होते तो उनपर ये हमला नहीं होता। समाजवादी पार्टी दल के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में बड़ा आंदोलन करेगी और सरकार का हमला कांवेन्यी करने के लिए नमजूर करेगी।

अगर मैं एक दक्षिणगामी संधन से जुड़े लोगों ने राणा सांगा को लेकर हाल में दिए गए विवादास्पद बयान के बाद सुविधियों

राज्या सांगा वाले बयान पर कायम सपा सांसद रामजी लाल सुमन

में आए समाजवादी पार्टी (सपा) के राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन के घर पर बुधवार को हमला किया था। बुधवार को रामजी लाल सुमन के बेटे रणजीत ने आरोप लगाया कि करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने हल्लाबोल चौराहे के पास स्थित उनके घर में घुसकर विडूकियों के शीशे तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

राजनीति ने काण, सोलाल मोडिया पर कई दिनों से उनके पिता के खिलाफ आहदा दिया का इस्तेमाल किया जा रहा है। दो दिन से यह धमकी दी जा रही थी कि राज्यसभा सदस्य के आवास का घेराव लगाया जाएगा। एनजीन ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि लाठी-छंडे और तल्लख लिए हल्लाबोल ने पुलिस में खड़ी कराई थी।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 364 का हल

मै	दा	न	स	र	ग	य
ग्री	सी		क्षा	धु	रां	
सा	ह	स			र	
स्था	ग	त	स	म	ड्री	ता
व	र		र			म
त्तं	वि	त्ता	स		दा	म
यो	न	ज	सा	मा	न	ता
ज	या	हि	या	त		
त	र	की	य	ना	खा	ली

प्रमोदरा ने फौज शरीर
कंपनियां बनाई गईं
शेयर मार्केट में निवेश करने के लिए प्रमोदरा ने फौजी शरीर कर्मियों बनाई। इसमें उन्होंने कर्मियों की विशेषता दिखाने के लिए किसी को प्रकट न हो। हथवाला कर्मियों गिरफ्तार करने और सुरक्षा चौकानों के गिरफ्तार के 60 दिन बाद पिछले हफ्ते 25.2 पंज के पुरक परिवारों 2200 पंज के दस्तावेज पंज किए हैं।

मने पिकअप अनियमित लॉकर पारत नई.
 15 लोको को पोरो आई ई. घटना की सूचना
 घाटनी को पुलिस की घटना से अपडेट
 घाटनी क्षेत्र के हर्डिअ की ई. बतया जा रह
 तेजी से घना रह था. इसके पारते गाड़ी
 ना के बंद चालक फ़ारर से गया ई, जिसकी

[illegible]

न्यायालय नाथब तहसीलदार तहसील बोरी जिला दुर्ग (छ.ग.) रजि.क्र. 202403104400006	न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
--	--

एतद् द्वय सर्वसाधारण को सूचनाय प्रकृतिता किञ्च
जाना ई कि अर्थोपिना अर्थोपिना स्थितिता यान् किञ्च

भूमि धारक काटोडा अ. दीनचंद राणा नि. कसारी
दुर्ग के नाम पर मजदूर अभिलेख में दर्ज है। धारक।

कि जलसेक भूमि के भूमिस्वामी प्रेमनाथ जिजा स्व रागवी को मृत्यु दिनांक 04.02.2025 को हो गई है, मू-पञ्चक

समस्त सङ्घ सभै रित्त प्रेमानाथ के पक्ष में पंजीकृत
पसोपाननामा के माध्यम से पंजीयन दिनांक

इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण इस न्यायालय में विद्यमान है।

आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जाये और
करवाया जायें। नियत तिथि परचात प्र

आज दिनांक 12.03.2025 को मेरी हस्ताक्षर एवं
व्यवसाय मुहर के साथ जारी किया गया।

जिला
कार्यपालन
कमीने में
समाकूल में
अनार अर्थात्
अनासी की
बैठक में
ने जनपद
कार्यपालन
संस्थित
को आवास
सहित सर्वेक्षण
निर्देशा दिना
5 को वृद्ध
रा उत्सव
संबंध में

आवरयक दिशा-निर्देश प्रदान
करा। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष
2024-25 के समस्त
निर्माणकार्य आवासों को सतवा
एवं ग्राम पंचायतव्यवहार एवं विशेष
कार्यपालन बानकार निर्मात
समाकूल में 90 मान दिहस
की रशि प्रदान करने उरात उत्त
आवासों को पूर्ण करने के निर्देश
पी दिए। उहनेथं ग्रामधर
अंतरण पहात अप्राम 986
आवासों के लाभाथियों में
समन्वय स्थापित कर यथाशी
आवास निर्माण प्रारंभ कर
निर्मात समाकूल में पूर्ण करने
शेत संस्थित को निर्देशा दिना

महोत्सव का यह अद्भुत आयोजन न केवल भक्तिरस में प्रवेश हुए था, बल्कि छत्रोत्तमराष्ट्र सांस्कृतिक पहलुओं को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण कदम था। यह आयोजन हर वर्ष एक नई ऊँचाई और उमंग लेकर आता है, और आज वाले नित्य में भी इस महोत्सव की महिमा और लोकप्रियता में निरंतर वृद्धि हो रही है। भोपाल महोत्सव ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रेमोहर उत्सव के रूप में उभरा। उद्घाटन के पहले ही प्रदेशभर से आए ब्रह्मलुओं और दर्शकों की भारी भीड़ ने आयोजन में भाग लिया, जिससे आयोजन स्थल पर एक उत्सवमय और भक्तिमय वातावरण बन गया। मंदिर परिसर में भक्ति की यह अलौकिक लहर इस महोत्सव की प्रमुख विशेषता बन गई।

